श्री रवि राय . इन्फेंट मार्टेलिटी के बारे में इतना ही कहता हूं कि इफैन्ट मार्टेलिटी कई स्टेट्स में ज्यादा है—सुशीला जी भी इस बात को जानती हैं—और चूंकि यह वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय शिशु वर्ष है इसलिए हम इस बात पर ज्यादा जोर दे रहे हैं कि किस तरह से इफैंट मार्टेलिटी को कम किया जाए ।

MR. SPEAKER: Q. No. 976.

Shri R. Kolanthaivelu is not present.

Q. No. 977.

SHRI VASANT SATHE: Do you take cognisance of this that Dr. Sushila Nayar is keeping quite? (*Interruptions*) Life expectancy has come down from 61 to 46. He has not even replied to that and you are keeping quite about it.

भागलपुर और दिल्ली के बीच नई रेल गाड़ी चलाना

*977. **डा० रामजी सिंह** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार का विचार यात्रियों की बढ़ी हुई संख्या को ध्यान में रखते हुए भागलपुर और दिल्ली के बीच नई रेलगाड़ी चलाने का है ;

(ख) यदि नहीं, तो क्या सरकार का विचार कम से कम विक्रम शिला गाड़ी को प्रतिदिन चलाने का है ; और

(ग) यदि हां, तो कब से और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) और (ख) जी नहीं ।

(ग) सप्ताह में दो बार चलने वाली 167/168 विक्रमशिला एक्सप्रेस में इस समय जितना स्थान उपलब्ध है, उसका पूरा उपयोग भागलपुर से नहीं हो रहा है । इसलिए, इस गाड़ी की बारम्बारता बढ़ाने अथवा दिल्ली और भागलपुर के बीच कोई अतिरिक्त गाड़ी चलाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है ।

डा० रामजी सिंह : माननीय अध्यक्ष जी, हमारे कार्यकुशल मंत्री जी की हमारे ऊपर ऐसी इमेज बन गई है कि जब भी भागलपुर क्षेत्र के विषय में सवाल पूछा जाता है तो सिर्फ इतना ही कहते हैं कि यह नहीं होगा । एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा था :

Demand for additional trains has been received but there is no proposal to introduce additional trains. Every feasible effort is being made to improve the running of the existing trains.

और जब मैंने रेग्युलैरिटी का समय पूछा तो उन्होंने जवाब दिया—इस सेक्शन के बारे में—कि केवल 37 परसेंट गाडियां समय पर आती है जबकि दूसरी जगह 87 परसेंट समय पर गाड़ियां आती हैं । मैं आपसे केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि यह क्षेत्र बड़ा पिछड़ा हुआ है, आपने सर्वोदय एक्सप्रेस चलाई है लेकिन सर्वोदय अत्योदय से शुरू होता है । क्या मैं मंत्री जी से जान सकता हूं कि इस क्षेत्र में जहां कोई गाड़ी नहीं है, तिनसुखिया में केवल 8 सीटें आपने दी हैं, 13 अप पसेंजर से भी वह रही है और विक्रमशिला को सप्ताह में केवल दो दिन ही रखा है तो हमारी केवल इतनी मांग है क्या सप्ताह में सातों दिन इस गाड़ी को चलाने का आश्वासन आप देंगे ? यदि आप यह आश्वासन दे देंगे तो मैं दूसरा पूरक प्रश्न पूछकर आपको उत्तर देने का कष्ट नहीं दूंगा ।

प्रो० मधु दंडवते श्रीमन्, माननीय सदस्य की शिकायत यह है कि हर बक्त जो सवाल पूछते हैं उसका वही जवाब दिया जाता है, अगर सवाल वही रहता है तो जवाब भी वही रहेगा और इस समय भी वही जवाब दे रहा हूं ।

MR. SPEAKER: The mistake is mine that I allow the question.

PROF. MADHU DANDAVATE: I cannot cast aspertion on the Chair.

मान्यवर, मैं माननीय सदस्य का ध्यान इस जानकारी की तरफ खींचना चाहता हूं कि दिल्ली भागलपुर मार्ग पर सप्ताह में दो बार चलने वाली विक्रमशिला एक्सप्रेस है, दिल्ली मुजफ्फरपुर मार्ग पर सप्ताह में दो बार चलने वाली जयन्ती जनता एक्सप्रेस है, दिल्ली-पटना मुकामा के रास्ते पर चार गाड़ियां हैं और अन्य दो विनो मे हावड़ा—न्यू देहली ए०सी० एक्सप्रेस पटना से होकर चलती इस तरह से 8 दिन का इन्तजाम है । साथ ही साथ माननीय सदस्य का ध्यान इस जानकारी की तरफ भी मैं दिलाना चाहता हूं कि जहां तक अकूपैंसी का सवाल है, भागलपुर स्टेशन के सिलसिले में, 167 दिल्ली जाने वाली गाड़ी में भागलपुर में अकूपैंसी 37 परसेंट है और 918 में 22 परसेंट है । जब तक यह हालत है और अगर उसमें कोई गलती नहीं है तब तक कोई नयी गाड़ी शुरू करने का सवाल नहीं है । लेकिन आगे चलकर जैसे कि आबादी बढ़ती है, वहां भी अगर यात्रियों की संख्या बढ़ेगी तो हम विचार करेंगे ।

डा० रामजी सिंह : मुझे संतोष है कि मंत्री जी विचार करेंगे । लेकिन उन्होंने जो फीगर्स दी है वह उस लाइन को छोड़कर दी है । क्यल-बहरवा लाइन जो है, मंत्री जी को भी जानकारी है कि 15-10-1860 में यह लाइन बनी थी । उसके बाद 30 गुना आबादी बढ़ गई है और मैं तो आपसे केवल एक छोटी सी विनती कर रहा हू कि यह जो दो दिन है, इसको सब दिनो के लिए कर दीजिए । आपने कहा है कि जनसख्या बढ़ेगी, तो हम सोचेंगे लेकिन वहा तो 110 वर्षों में 30 गुना आबादी बढ गई है ।

श्री० मधु दंडवते : माननीय सदस्य को कुछ गलतफहमी हुई है । मैंने देश की जनसख्या का जिक्र नही किया है, मैंने तो यात्रियो की जनसख्या का जिक्र किया है और जो आंकड़े मैंने दिए हैं, वे जो टिकट बेचे गये हैं और डिब्बो से जो यात्री आए हैं, उनकी तादाद मैंने रखी है । मैं उनको यह आश्वासन देना चाहता हू कि यात्रियो की संख्या बढ़ने पर हम इस पर विचार कर सकते है लेकिन अभी तो ऐसी स्थिति नही है ।

श्री चन्द्रदेव प्रसाद वर्मा : मैं माननीय मत्री जी से यह जानना चाहता हू कि बिहार को छोड़कर अधिकांश राज्यो की राजधानिया दिल्ली से तेज (सुपर फास्ट) गाड़ियो द्वारा जोड़ी गई है । जब दिल्ली को दूसरे राज्यो की राजधानियो से जोड़ा गया है, तो फिर पटना को, जो बिहार की राजधानी है, रोज के लिए क्यो नही दिल्ली से सुपर फास्ट गाडी द्वारा जोड़ा जा रहा है ?

MR. SPEAKER: This Question does not arise.

श्री आर० एन० राकेश : मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय का ध्यान इलाहाबाद की ओर आकर्षित करना चाहता हू । इलाहाबाद जकशन एक बहुत बड़ा जकशन है और 14 एम० पीज वहा से आते हैं लेकिन तिनसुखिया मेल में इलाहाबाद के लिए कोई कोटा मैत्री जी ने क्यो नही दिया है ।

MR. SPEAKER: This Question does not arise.

Labour Productivity at Ports

*978. SHRI D. D. DESAI: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to lay a statement showing:

(a) whether decline in labour productivity at the ports is a major factor in port congestion;

(b) if so, what steps are being taken to improve labour productivity; and

(c) what is the relative increase in wages of port workers compared to relative changes in their productivity in the last 10 years?

THE MINISTER OF STATE IN-CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM): (a) to (c). A statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) The congestion at the Ports depends upon various factors such as navigational aids, number of berth, depth alongside berths, cargo handling equipment like cranes, fork-lifts, bulk handling facilities etc., weather conditions, nature of cargo, type of ships, clearance of cargo by shippers and also on labour productivity.

(b) Better incentives have been provided by revising the existing Piece-rate Schemes at Bombay, Madras, Visakhapatnam, Cochin, Mormugao and Kandla Ports. Discussions in Calcutta Port for this purpose are in progress. In addition, steps have been taken to provide additional cargo handling equipment in the ports and improve equipment maintenance and availability.

(c) The minimum wages inclusive of allowances but excluding piece rate earnings and overtime of Rs. 202.00 per mensem of port and dock workers at the major ports of Bombay, Calcutta and Madras as on 1-1-1970 increased to Rs. 476.80 as on 1-1-1979 at all major Ports with Port Trusts. The figures of change in the productivity during this period in various major Ports with Port Trusts are being collected and will be placed on the Table of the Sabha in receipts.

SHRI D. D. DESAI: The statement which has been laid on the Table is quite evasive and irrelevant and does not answer the question which I have asked. Firstly, he has not replied to the point—whether the productivity of labour has gone down at the ports which has resulted in congestion at